

## A 14 83 1

्यायेम्भीभाः

# विभागेदस्य एक्टर**ड**े

・ 小田田 神・神・神神か・

हिन्दा - देशनियाक १

भी सामा भारता भी से से हैं के

。 有产品的海河海沟

नामाक इन्हार

----

सक्ष कई शेख्य के के का राष्ट्र बराय कार्य है। त्रांच्या शिकाने श्रीकृत ।

AND WING THE

## रिकाशन।

কলিতার রের প্রমতাগ প্রচারত হইল।
ইহাতে বাদক বালিকাদিগের জ্পাঠা নাতি
ও ধর্মবিষ্টাণ্ট কতিপর কবিত। সন্ধিবেশিক
কইয়াছে। একানে ক্রদিনালের মধুকের অধ্যক্ষ
নাহেদিবল্প স্থা প্রতিষ্ঠিত বিদ্যালয়ে। ইহা
নাহক্র করিলে আলাব সমুদ্য শ্রম সফলিত

শেরিশেষে কৃতজ্ঞার মৃথিত স্থাকরে করি
বৈছি থে আহার প্রথাত্তি প্রীয়ুক্ত বার্
দৈল্বতন্ত্র রাজ মহাশাল এতং গুস্তক ম্পাক্টোর
দম্দর বায় প্রদান করিলা জালাকে বিশেব
উপকৃত করিয়াছেন পেরস্ত ইলাও উলিখিতবা
যে প্রীয়ুক্ত বার হরিশ্চক্র মির মহাশ্য এতং
কৃদ পুস্তবের আদাপান্ত সংশোধন করিলা
দিরাছেন। অতএব উল্লেখন করিলা
কার করিতেতি।

२० ८म आविष

জীপুণছলু শর্মা নিবাস পার্কিখা।

## 3143 F33 (

~ MO \$1 15 18 000

#### উপর ক্ষেতি।

ক্ষে বাহান্ত্র স্থানকার। করি জান চন্ধু স্টেল্ডিন বিশ্বর বিচিত্রশোভা দশন

कित पिट्रक पन कर दर प

কেমন প্রশিণ্পী জ্যাভপাভা কেমন সেবিভূ ক্ষুদানভাভ:-বৃশিক্তে পারিকে, গ্রেক্স ভাদ,

अदम दिवस काल इन 👉 🗅

## ক্বিতাস্কুর।

নেহার উষার লোহিত ছবি .
নৈহার নবীন উদিও রবি ;
--- মাহা হেরি কত কণপনা কবি
নিজনিব বসিয়ে করে ৫০.

পাইয়া ভাতুর মোহন বিভান কেমন প্রমোদ প্রকাশে দিবা! কেমন প্রহরে প্রহর শোভ! ধরে!—হেরে যন হরে বে!

আবার নিশিতে গগনতান,
কেমন প্রোজ্জলে তারকাদলে!
ফেন ছারকের পাতি উচ্চলে
মাথে শোতে সংগকর রে:

করি স্থাসিক কিরণ দান, পুলকিত করে ভূলোক প্রাণ! মলোফথে করে ক্লমিয়া পান, চকোরবর নিকর রে i

## কবিতাফুর।

কিলীন, কি ধলী, অসমীশ্বর কি কুটির কিনঃ সৌধলিখন, দলে বিধু দেয় সমলি কর, ভেলাভেদ নাহি করে বেং

কেমন ঈশ্বর কভন্মেয়, স্বাকার প্রতি সম সদয়, কেছ ক্লপালাভে বিভিন্ত সম সাবে সুখী প্রস্থাব দি।

কেমন দয়ালু জগতপ্রাণ !
দেখ, তাঁরাদেশে জগতপ্রাণ,
বহি বাঁচাদেহে জগতপ্রাণ,
সাধ্যকি অন্যথ্য করে ধে !

প্রলভ্যা জালেশ পালিতে উনি,
বর্ষে বারিদ সলিলধার,
মৃত্যু কভশত দেখাবিকান,
করি প্রাণ্ডম হরে রে ।

এইযে হেরিছ রচাক ক্ষি,

—ভূলে মাঁথি শ্বাহা করিয়া দৃতি—

এসকল সেই অফ্টার ফ্টি,

সকল স্প্রিভ ভাব রে.

ভোমরা যে দক জীবের সাব, করেছ প্রধান পদাধিকার, কেবল কৃষণা কটাফো বার কর তাঁরে নমকার বেঃ

## विम्यानिक।।

वह्कांन (वेंट तरन धेई (छटन सरम.

छानित्रछ तछ थोक निमा अभावत्म;
यिन सरम कत, रहम, "छानिछा जीनम,
धथम छथम माई किहत कथन,
किकांच निमांत्र जीत किकांच निमांत।"
छेमांटमात উर्द्धार अवना हरन छोत।
करताना धमम छूपि करतामा धमम,
नातिरन कतिरछ छटन निमां छेगीकिम।
भर्म धमार्काम छूपि कतिरन यथन,

## কবিভাঙ্কুর।

প কানিত। জীবন " মনে চিন্তিবে তথন।
করিবে ধর্মাব সেবা তেন ভাবি মনে।
করিবে ধর্মাব মেবা তেন ভাবি মনে।
করিবেল গ্রাম থান নীর্মান জীব,
এথন কি চরমে ধরমে মন দিব,
ভাহেলে নারিবে মর্মা করিছে জত্তন।
ক্রমণ্ প্রভাষ নাই কি ঘটে কথন।

#### अन्य ।

কে মান্দ। তাজ তুমি রাশি রাশি পন,
তাজ তুমি রমান্দ্র্যা প্রছ উপবেল,
তাজ তুমি ছীবা মনি জড়িতভূষণ ,
তাজ তুমি শিরাপুদ্র স্থন্দ শ্বজন ,
এমন কি, তাজ তুমি জাপান জীবদ
কি ক্ষোভ তাছাতে ?—তবু ক্ছু পর্মধন
তাবর্দ্ধের সাগরে দিওনা বিমর্জন।
জনমিয়া জগতে যে তাজে ধর্ম্মদন,
হতভাগ্য নাহি আর তাহার মতন।
ধর্মর জাছে যার সন আছে তার,
কিছু নাই তার নাই ধর্মধন খার।

## भागत्मत कड वा।

रह्म छ मग्रद्भक अतिमा ४,२०, ন্রেডিত লাখ্ট কেন করন। সাধন প অজ্ঞান মানেক পানে ছউছা মোটিত : ्यम आमार्माकनार्ड यांगर गाँभार १ (क्स प्रश्नेष्ट्रिट्ड ्ल्यास | यक्त . কেন কর সাম্পার পাস্তম্ভন ও কেন পর্যানেরে নাটি মনপুরে বর ৮ ्रम भाष-शिकारहत आजगण गर ? কেন সরলভা ব্যবহার ওটোগ করি, इसबात भारत जग नियम भक्ती ? কেন কর অহরহ ক্লহ বিভার, टि मोनव। अकि उर दर्शना यात्रात ? কেন হিংসাজ্বরে জরিতেছ অনুদিন ? (कम जिलू वहन वर्ध माइएस साधीन ? ত্ৰ কর যানৰ উচিত ভাচৰণ, বার বার ভারে মিনি জগতশরণ !

## প্রিয়ব্যবহার।

---

किरम স্কলের হবে স্লেষ্টের ভাজন

এই ভাৰণাৰ ভূমি আছ অস্কণ ट्रा १-- भूम आणि नीम प्रकलाह जात. मन्द्रात्व अञ्चल (द्विषमादस्यः)। उपि भार २८% तनाम मताबन भनः ্ডেক্ট্রের) অভিতেশ স্থের একেন্ত্র সংগ্রা दर्भ का - सक्तकार १४७ ८८। यस , সংগ্রাপ প্রায় এটালি করিতে অর্থনঃ ्रं. तो . लगायात किं। के के के के के गर्मात रागत अत्र क्षिप्ति रिमाणा एकि करि कर अव. र्वालिश्चर्यन. रक्षांद्रक ग्रंथिक भटन क्रियन ध्यानभना । कला आर्निटर अहे गण्छ दछन. নেমন করিবে ভূমি পাইবে ভেমন। शंदर यांक. श्रीफ, कृषि कार्द्यर कालाह गगट्य अवना भरत शीक्टर ८ अंगाहा चल्या हार मिल लिया करेगात, (ভ)वर मवात मस शिव्रगावशादाः . समील विनस इ.७. आंत्र शिश्यम. অবশা, বাভিবে তব স্বম্শ, সম্পাদ! of a fight separate into office in a 15

## কৰিতামুৱ।

ाक एक शिवा मित्र भी व स्टब्स्ट का राज জন্মতে অন্ত, অতিগ্ৰালছাৰ कतिराम, केष्ट्रीर हो एकरालंब मध्यात खालनाड वर्गान, सिगुछ (यहे अस, অভিনেত্ৰ দিলে তাৰ তেত্তে গাম সম र्राव्ड (इन्टिंक (मर्डे मामञ्जूबात ন পাতে, মনেকে ভবু কলে অসংল। এজগতে সামিয়েকভার, ডিয়ে ফারি গ छ। हे राजि कर भारत विदेशवातकात । भाक्तिकार्यम् मार्टन क्रांशस यम्भः दश कारन दमश्राहत, कुर्देश दमिष्टर दस्यम हाना अफि भाषाणाउ अंशेष्ट्रेस भटत, (मड शतीयांड इकी ख्यामंत्र शताः নিজীব দৰ্শণ, ছায় ভাছার ব্যন, দেই রূপ করে ভূমি করছ যেমদ, সচেত্ৰ মানুৰ তথ্য কেন আৰু. कतिर्यम्, तम छ्रद छूना वानश्व ?

## সাধা

---

ভ্ৰত সংগ্ৰহণ কৰি হাছ । হেলে, উপকাৰ বিদা দে জাদেন। অপকাৰ।

## ত্ৰেশধ।

ক্রোধে জবো কত পাপ সংখ্যা নাহি ভার, ক্রোধে করে কত জন- জন্যায় আচার। ক্রোধে হরে, একবারে হিতাহিত জ্ঞান, অতএব ক্রোধ করা নহে স্মবিধান। দেখ, ক্রোধ বশীভুত হয় হৈই জন, অনায়াশে পরে সেই করে কুর্চন। महानामाहता कहन लाहा द्वारितम् स्थाप्तः, लालु क्व किलू काम माहि थाटक काह।

काम कहत व्यक्षितमाविधी नमनाहतः,
मजून। का कृष्ठेकथा किरिक किलाहव ।

व कहत क्रामिक काहत द्वारामात्र प्रमान करः,
करमा किर्दान होना द्वारमात्र हैला ।

काम कहत स्थितिल काम किराहित काहता काम ।

काम का लाहत का किराहित काहता काम ।

स्वाधि कत्र हा हा स्थानिक मान्।

स्वाधि कत्र हा हा स्थान मान्।

स्वाधि का तहा हा स्थान मान्।

# লোভ।

লোভেতে জনায় পাপ, পাপেতে মরণ,
মিপা নয়, সতা এই নীতিজ্ঞ বচন।
লোভীর নাহিক ভৃপ্তি, কিছুতেই হয়,
কোভানলে সদা তার দহয় হলম,
দেখিলে পারের ধন, নিজে কোভে মরে,
হেন ইক্ছা করে সব ঘরে এনে ভরে।

এক, দশ, শত, শেষ, হাজার হাজার,
পোলেও লোভীর নাই সন্তোষ সঞ্চার।

ক্ৰমে ভাবে একৰাকে হই কেলিখন, যদি হয় তবু, **নহে স্তৃপ্ত** পান্তর। ग्रमराज म। इस थानि मरस्वाम छेपिज, গ্ৰনীতে তৰে আৰু হবেকি লুখিত " হাতএন লোভ কোভ করিয়া বর্জন, যদুছে। লাভেতে ছও পরিত্র মন। শ্ব মৃথ মূখ করি দক্তে কুঠিও, (क'र्थ) सूथ (कड़ मारत कड़िएड बिक्टिस) স্থ কিছু নাহি থাকে সুর্ম্য ভবনে: ন্নথ কিছু ন। হি থাকে প্রধু রহু ধনে: श्रार्थत माधन सर्हे अक माज मन, मन भाग कथी, — छत्न सूथी (महे जन। त्नारङ्क अमरल मना मग**्ला**म यात्र. त्कमन कतिशा मन सूथी **इट**व कांत्र ? ভাই বলি যদি কেছ শ্বথী ছতে চাও। সভোষের সরোধরে নাও, তবে নাও।

#### गानव।

হেমানব ! অই পশু চরে যে প্রান্তরে, কন্ট পুট শরীর শোভায় মন হুরেঁ.

স্বাধীন, তোমার মত নামে এচিন্তিত, কি বিভেদ আছে তৰ উহার সহিত ? তুমি যেই মত চকে কর দরশ্ম, कर्त छन. कत्र मिश्रो कत्रम् शहन, गृत्थं कर आशंत, छत्रत्वं दिहत्ह. এরোড সেরপ সক, ভেদ কিলে কঃ গ ত্ৰি আ'জ-কঠর ভরিতে বেইমত. লতেন্তিত হয়ে সদা এম ইতত্ত : माता शिवाह आमि कहिट शासक, নানামত ক্লেশ ভার করত বছ্ন, এ পশুক সেইমত সমুদয় স্কঃ, কিসেছে বিভেদ তবে পশ্চি আর মরে 🛚 हे खिरात क्ली हुक हुमि स्वहे कर्भ, পশ এই, এও বশীভুত মেইরপ। ভোষাকে পশুতে বটে সকল মহান. ভবে কেন ভোষার এমত অভিযাম ? टटिं वर्षे अमकत्म द्वरम ममजून, জ্ঞান আর ধর্ম মাত্র বিভেদের মূল । यनि जुमिकानी इ.अ. माहरत काकाम. ধর্মের মুকুট শিরে কর পরিধান.

তবেই নানুষ বলে দিতে পরিচয়
পারিবে; নতুবা পশুজুলা স্থানিকয়,
কর কর ছেনানব! ধর্ম আচরগ,
পর্ম হারুষের নার অনুন্য ভূবন,
কান ধর্ম ভূষায় ভূষিত নছে যেই.
সানৰ নমাজে, অতি হততাগ্য সেই!

#### .....

#### थल।

शत्त क्रमां नाहे प्रश्ना पर्मा लिन, उद्देश करलाद प्रमा कर्कादा दिन्न। कारता कृथं जांत यन प्रव नाहि हम, वदम् जांहां जांत यन प्रव नाहि हम, वदम् जांहां जांत हम स्टर्शामय। य काटल कान्य हां जां हो नां नाहे. अवत्र शत्त्र व्यक्तिमीत जांहे। शत्र निम्मा नाहि संदर्भ मीधूत तमना, श्रामक त्रिमंत्र के श्रीक्रम-श्लोकत, य शाह्मत कार्या मीधुलम-श्लोकत, य नाहि स्वतंत्र वहां मत्राकात, अत्र महिन्द्र संदर्भ स्वतंत्र जांद्र । ज्यानक विषयंत्र वहां निवाल काहांत। কারে। সদে খলের প্রথম নাহি হয়,
কার সদে খলের সদ্ভাব নাহি বয়,
কিছুতেই রখী নয় খলের অন্তর,
কেই হিংলা কোভ জুরে জুরে নিরন্তর।
ইহলোক খলের পাপের স্থান মাত্র,
পার্নাকে খল, ইশ্বের কোপ-পার।
অভএব খলভা করিয়া পরিহার,
হে মানব! করহ সরলনাবহার।

#### সময় !

অনেকেই কয়, "আয়ু দীর্ঘ নায়, অনিত্য জীব-জীবন, তাতে কি করিব, বিদ্যা আরাধিব, না, ভাবিব নিতাধন? অদেশের হিড; সজন সহিত সদালাপ স্থাময়, কথন বা করি, ভবক্ষেত্রে চরি, আশু হয় আয়ুক্ষ ।" হেন কহে ধারা, ভ্রমে জান্ত ভাবা,

মুখে মাত্র স্বধু কর,

36

## কবিতাঙ্কুর।

इंक्टिक मनग्न, . कछ अश्वध्य, करत नाहि सुनिम्हत ? কতক নিজায়, কভক নিকায়, कहक हा तथा करिक, রভক বা গালেপ, কৃতক সম্প্রেপ, कां छे छि, मध्यात माहका अविरुक्ट करा, सा क्ट्र कथन, मरकार्धा माधरन वार । राष्ट्र! खदुकाँदन, कटर मानार्ह्णादन, "কি করি অল্প সময়।" স্বােধ যে জন, ভিলেক সে জন, इशा माहि कान स्रत। জানয় জীবিত, অম্প পরিমিত, क्टब कारन आरमकारत. বৈতি যতক্ষা, সুধু ভতক্ষা, मदकार्या माधन करता নিৰ্কোষ যাহার), কেরল ভাহার। कल्लामाञ्च, दकाटक गटह।

#### त्रम्भ ।

"्कमरत तमन्। जतरम तम ना, वितम वामन। कम रत कत !

অমল কমল, জিলিয়া কোমল, জাতি নিরমল শারীব ধর। '

क्डेश् (कांगल, क्डेरल ममल, क्ट्रस क्लक्टल स्मर्थक् राम ;

হইয়। ললিত, অন্ত সঞ্জিত, নুরদে বঞ্জি হঞ্জে কেন ?৵

হইয়া সরল, উপার গরল, একি অন্তঃথল ভাব তোমার!

অস্থি নিদাকার, ধরি হায় হায় ! আশ্দির প্রায় কর প্রহার।"

তোমার কারণ, কড়শভ জ্লা; স্থজনের মন দাহন করে;

কত শত নর, ছানি কার্যুগর, জনক জন্মী কলি বিদরে।

কত শতজন, ভোষার কারণ, সর্বপ্রিয় হয় অবলী মানো 🍪 🗥

তোমার কারণ, কডপাউজন, কার প্রিয় নর্রী নরসমাজে। ভোষাৰ স্কুপাষ, বিপাদ এড়ায়, কেছ ঠেকে সাহ দাল বিপাদে ।

কারেপ্রাণে মান, প্রাণরাথ করে, অসাদা ভোমার কি এ জগতে ?

(ठागत मामन, कतिहल (यक्तम, भारत (महेक्न्)

मान्दर् ।

কোমার শাসিতে, স্বৰূপে রাখিতে, উচিক সবংব ক্রিডে যত।

#### विला।

মহীতলে হত আছে পদার্থ নিচয়,
সকল ছইতে সার বিদ্যাসনিক্ষয়।
বহুমূল্য রজন, মাণিক্য মণিচয়,
বিদ্যাসহ কোনরপে তুল্যমূল্য ময়।
জনাধন ক্ষর হয় করিলেই দান,
দানে আরে। বাড়্য বিদ্যার পরিমাণ,
দম্য আর বঞ্চকতে হরে জন্যধন,
অথবা বিভাগ করে-জন্ন ভাত্নণ,
কার সাধ্য নাই বিদ্যা করিতে হরন,
সহোদরে নারে নিতে করিয়া বন্টন।

जाना धन भीतम भीतम विभन परि है। विष्णातम निर्शासिक जीवन निर्णाह. जासा भरत शक्ति न्द्र शक्ते, जाइकात. বিদাণেম বিপ্রতি ঘটায় ভাষার : বিনাম বিষ্ঞাহয়, স্বীৰ স্থালি, কার সং কলে মাত্য একভিল, আচলাকের শিহাদেশত বাহ্যতম হতে निमाधि क्रमग्रुकत जारिलांकिं करते। इपि शंदक मत्नाइत कावना दशीतन. অবনীর অধিপতা, কোণ ভর্গেন, निकारिकी में छ. एमार्थ निकल अकल. বৰ কিংশুকেতে খথা নাহি পাৰ্যল: मर्का व्यवसारित गणि व्यवस्क रह, নিদা বিনা,ভাতে শোহা কিছুমাত নয় গগনের যেইরূপ স্থাণ্ড ভূমনা तम्नोत्र तमाजृषः मजीष स्मम् नृत्तर, वीतक पृषा गला माहि योह. गाञ्चल विमागात पूरामधकात। चिला करत मान्रस्यत निर्मम छेकांत्र : ষিদ্যা করে মারুধের ক্রমণ বিভার;

বিদা করে মাসুষের সেভিগা বন্ধন; निमा करत मानुरस्त अञ्चल मर्फन. বিদ্যা করে মারুষের জানের সঞ্চার, বিদা করে জগভজনের উপকার. रिका। करत भाकूरमत मरमत मायात. বিশ অন্ত: ঈশ্বরের মহিনা বিজ্ঞান । विमा गांड शत्रभार्थ श्रेष आमर्निका. अनिकेमानिका, मद अिकेमाविका, বিদ্যা বিশ্যারিত করে জ্ঞানের নয়ন, तिनाइया (**प्रस्तिक नाभर**मत थम, হেন বিদ্যা প্রতি অনাদর করে যেই, তার তুল্য নরাধম আর কেছ নেই। বেজন নাকরে বিদ্যাস্থা আহাদন. অবনাতে ঘথার্থ মশ্বর সেই জন। বিদ্যাল্য পিয়ে যেই অবনীভিতর নশ্র শরীরে মেই, অজ্বর অমর। যদিও নশ্ব দেহ তাহার, শাসন, হরে, তরু নারে যশ করিতে হরণ। पटनंत्र वसटन यात्र यन, वर्षमान, महित्तक कीर्कि छोड़ शादक पीश्रामा ।. ত্বত মানৰ দেশ করিই। গাঁচণ, ধিক তারে—বেনাকরে বিদাঃ উপাৰ্জন । শুরুগ, তনু রুখা জন্ম ভার দে কেবল, গুরুষ প্রায় তায় নাফি ক্রিছু ফল।"

## ८५के कत ।

করি মনোযোগ, করছ উদাণে

হাডিফী সফল ছবে:

ফলেতে উদয়: ছলে সিদ্ধছয়:
কার মনোরথ কবে :

আপান আছার, নাকরি শিকান,
নিপ্রিত রলে মৃগেশ,
ভাছার বদনে: করে মৃগগণে,
স্থাইচ্ছাতে কি প্রবেশ ?

## मः मग

---

সন্ধানে অনেকের হয় সর্বানা।
অভএব, তাজ অ্সতের সহবাস।
অসতের সহিত বসত যেই করে,
সৎ হলে ভাহার, সম্মান তবু হরে;

দশানন জানকীরে করিল হরও,
নক্তনোযে সাগেরের ঘটিল বন্ধন।
কাঞ্চন সংসর্গে কাচ মরকত বিভা গ্রেং, অহেছা অহেছা সংসর্গের, শক্তি কিবা।

## মংসরতা i

২ৎসরত। আতি প্রবল বটে প্রবেশ করিয়। মানব ঘটে, মারুষত্ব হরে, কি কব আরি?

স্ভাবে সভাব করে রে।

श्री करात (घर, मध्मती मट्डाट्स श्री मिट्डाम, खतू नार्षि जटचा खाटनत (नन, महनाब्दत मनाब्दत (त)

মৎসরী বেজন এরীতি ভার সেভাগা বাদ্ধিত হেরর বার, অকারণে ভারে করয়ে হিংস

मामाग्ड एन धरत दि ।

আপালার দোধ লুকাতে চায়, অপারের লোম নিয়ত গায়, বুকিতে একথা পারিলা, হায়, কে মুহুদারী ক্ষিট্ট করে রে !

ট্ৰান্ত্ৰ, কৌমার, সৌবনকলে, মংসরী এরতেপ কাটিয়া কাল, আইলে চরমে নিকটে কাল,

मतम नार्थोश मटत ८३ ।

তথন তাকার স্বপাপচয়, মনেক্ষমধোতে হয়:উদয়, আত্ম গ্রানি জনো উপজে ওয়:

· তার বার বেন্ড বারে রে ।

নকলের শাস্তা জগতপতি এইদণ্ড তাঁর মৎসরী প্রতি, নহাপ সম্ভোগ এরপে সন্ধা,

्रेड्टलाटक टमर्ड करत देते।

लाज क्षीनि विष्टू नामाना नहे. जुगानन जम शानग नग्न, भ!वशान त्यम गोनव हश,

মৎসরিতা নাহি গরে রে।

----

#### कीर्ड ।

उ.थ.७ म.कांगमांम, कित्रकाल वर्डमांग, ্ৰকাত পাদপ কালৱপ। कक पूर्व एक्छेश, नार्य अक मधूनय, रोत गाम छानांचा अतन्। পক্ষ পত্ৰদণ্ড রূপ. তার পত্র অনুরূপ. पिरा मिनि शर्जर दुर्शान, ्में निर्देशीत युटन, क्या मानव कूटन, नामा दवटंग शिव्रक निवाम। क्रिया कर्मा अभूनस, दमाउक्त भूण हरे, कीर्डिकरन (गाँडिक मुन्दर) बाना क्रक कनित्र, भौकित भिष्ठि इत, काई कन शांटक मित्रखत । (महे केल लोड खंदा, कख्बारम कछ कर्द्र, कालक गुरमा जामित।

বেছ শ্ এইক্ষ পরে, চড়িতে উদান করে, কান্ত হয়, আজন পাইকা। গদিও সাহদে ভরু, করি কোন কোননর, নড়ে কাল ভকর উপরে। কল প্রলভিতে চায়, আয়ু ফুরাইয়া যায়, শমন নাবার কেশ ধবে।

## ননের প্রতি।

---

দল জন যেবিনের গর্কি কর মন,
জাননা পলকে নব প্রানিবে শমন।
মন্তভার তত্ত্বহীন জাছে একবারে,
জাপনা হইতে বড় দেখনা কাহারে।
কৈছার নিছার মদে, ক্ষিত কলেবর?
ভোমাহতে বড় আছে কতশত নর।
ভাহাদের প্রতি দৃষ্টি কর একবার,
পরে যদি ভাল বোঝ কর অহজার।
আপনি আপন নহ, রিপুর অধীন,
ভবুগরি কর হেন, ফাছহ স্বাধীন!
যাতে হয় তাগোতবা দাসত্ব নোচন,
ভাহার উপায় চিন্তা করহ এখন,

রিপুগণ মনি কছু তব বশ হয়। সেদিন জানিব ডুমি স্বাধীৰ নিশ্চয়।

---

#### অলস।

বরায় অলম, মুর্ডাগা অভি. লান কাজে তার না হায় মতি। कि विका। व्यक्तन, सूर्यंत्र मात्र, तराय ना भटत कुलना यात ; िक काम कार्जन, याशत तरज्ञ, भारत्यता निजानम्हम हत्ल; अलग ना करत किंदूत आंगी नम रक्ष स्टब्स कानमामान। অশ্ন জীবনধারণ তয়ে, ৃ 🔆 অলগ ভাতেও আলস্য করে: গদি কেহ দেয় তুলিয়া মুখে. ज्य कहे थांत्र शतम**स्ट्य**ा. आर्थिन काइजि. आर्थन करेन, जनतम, चोक्रेटक जिल्लाम शट्या '(करल, जनम. मूजिया क्रांत्रि, . 'बेक्टि। करत, "ममा खेल्हेमा बोर्कि"त কেনে কাজ যদি করিতে তাম, कह, दाम रक्क शेरफ भाषाय. मत्मर करण एल जिलाह, (करन कतिया जानाई श्रम। দ্দি অলুমেরে কই কথম, আনংগ আহাগ্য খাব ছাজন. अलग अंगीएड मा दिश मीश, कर्इ " गोमा, दिशा भी छा। मा गांग कटवत शक्तांदर कालेम जिल्हिर थारक स्टार भागा श्रेत श्रामी, अन्तरमञ्जू कड, मा कटड काज. অলমের নাহি, পৌক্ষ, লাজ, जानतमङ अप, अप्रेड मेश. त्कां कारण अध्यमंत्र मा पंग, अञ्-श्रामामि **अनम जर**म, ভার বোধ করে जीशन बरम । क शिया जनम मन्त्रे तर्राम, Cकरल कालरेमा मैंगेश देश्रेल कूझ छ जीवम, कूझ छ कांग्र, अमरमङ मव विकटन येशि।

## হিংসা।

হিংসা সদ পাপ] জার. নাহি অবনী মাসাদ, হিংসা অতি বলবতী,

कुर्णाष्य समाम् । त !

মনে বিংসা অঙ্কুরিও. হলে ভাহা উন্মানিত. কোন মতে, সহক্ষেতে

कता नाहि शंह दि!

তে হিংত্রক ব্রগণ! ক্রে হিংসা প্রায়ণ হয়ে, যোর পাপার্ণবে

्र , सिम्हान हु । तः ?

চালিয়া জাদের জল,
কর মনে বির্মল,
কেন জমে ভাত হয়ে
পাপভার বত রে গ

## ১৮ কবিতাকর।

কদিন বা আছ্ জবে, প্রিয়ভাবে ভাব সবে, জামন: যে ধ্যেতি হবে, দিন জুই পতে বে

মিছে ছেশ, মিছে গর্মি, অমিত, জানিবে সর্কঃ দুব সুকায়িত হয়,

कार्टलक कठरव ८२

এসন লা নলে স্মুবে, নিষত যে জন করে, . পর জন হিংসা সেই,

নরাধ্য অতি রে.!

কে ভার স্বৰণ গায়? ধরা ভারে নাহি চায়, ইহ পরলোকে ভার,

নাহয় সলাভি রে

হিংসিলে জন্মন পাপ. পাপে নানা পরিতাপ জন্মে ঈশুরের কোপ.

मृशित्ति किलाश्च द्या

অভএব দরগণা; কড়ু হিংসং পরায়ন, না হযে প্রীতি শৃষ্ধনে,

ব্যিহ স্বায় রে।

#### ---

## নীতিসার।

নিন্দা কিবা কৰ্ম, যথেছে গুৰুগাৰ -খাৰুন কমলা কিবা কৰ্ম প্ৰস্থান ; প্ৰিয়ত্য প্ৰাণ জালা ছফক শন্ন ; অথবা মুগান্ত কালে ছউক মানন ; নীতিজ্ঞ জনের চিক্ত নাামপথ ছতে; বিচলিত কথলো নাহয় কোন মতে।

সজাত, বিগতপ্রাণ, দুর্থ এই তার

মধ্যে আলৈ হয় ভাল, শেষ কাল নয়। একবাৰ ছুংখ দান কলে আলাছয়, কিন্তু অন্তঃ শলৈ পাদে ছুংখপ্ৰাদ ছয়।

জন্ম মাত্র সরা ভালে ভালে জ্বাখান্থ।
নাতি হাৰ তাত, শোক স্বাখ্যী নাছি রহ।
কন্যা হ্যা, তাতে তাত ক্ষোভ নাত্রি মনে।
স্থকরী হলে বালা স্বাসন বর্ণে।
ভাষা যদি বন্ধা। হয়, তাতে ক্ষোভ নাই
ভবুম্থাপ্ত ভাত হইতে-লাগাই।

গুণীগণ যে সময় হয়েন গণিত, সে সময় নাহয় সে স্বত উল্লিখিত, সে পুজেতে পুত্ৰবতী হউলে জননী, বন্ধা তবে কেবা এই বিপুলাধনণী ?

ষে ত্রুয়, বংশে জন্ম করিয়। এইণ, করিতে নাপারে কুল গোরব বর্জন। জনক জননী সেবা সমুচিত রূপে, নাকরে নিমগ্র হয় অবিদ্যার কুংগ। • হার জনতে কিবা কাতে চ্লেদেন ন্হ'তে অসমী মাত্র ভাবতিবাদী হয়।

ংক্রিতের মহ ধনি, শার্তার হয়। ্যন ভাল, বুর্মেটনেরী শ্রেম তরু নয়।

क्षत्र छ।धी कीरमः कल्लास्त्रखारी वनः । इसम्बद्धाः सम्बद्धाः

না করে হয়ে অকম ।

রুগায় জীবন ভাব রুগায় জীবন !

গাসিকে শম্ন, আরি জনগ্না

নাক্রে ভারে মার্থা

---

বাচিলে যে জন, হয় দেশের কলাখন, বাচিলে যে জন, বাড়ে বংশের সমান-বাচিলে যে জন, দূর হয় কুসংস্কার; বাচিলে যে জন, হর পর উপকার; বাচিলে যে জন, হর পর উপকার; বাচিলে যে জন, হর, অনেকে, পানিত, থাক্ক সে চিরকার, হইয়া, জীবিত,! যে জন মরিলে, ধরা জার হয় উন, ডে জন মরিলে নিতে কলহ আগ্রন, যে জন মরিলে যায় দেশের কটক, এথনি ভালার প্রাণ, হুকক ভারক।

এই দে মুগল দেৱে, দেৱ এত নয়,
পর চিত্ত, এই চকে দৃষ্ট নাহি হয়,
ভবিষাং গর্ৱে যাহা আছে লুকায়িত,
এলোচনে তাহা নাহি হয়, বিলোকিত
ভান-চকে এনকল শেষ্ট দৃষ্ট হয়,
হেন চকু চীন ষেক, অছনে নিক্ষা।

मीजि-वाका कल्कना निधितन, नीजिक्का कन जोहरू मा मितनः मीजिनक कांका कहरण त्वरेः मीजिनक कांका कहरण त्वरेः।

গুণজ, গুণীর গুণ করর এছণ, নিগু পের নতে গুণী সমান্ডাজন। জহরীই মণি-মূল্য বুলে, বতু করে, চিলিতে কি পারে, তাহা ক্লবন্দ্রে? নিপদে কবিৰে লই টাৰ্য্যাবলদল,
কোৰ কালে ক্ষমাণ্ডল অভীৰ শোভন
সম্পাদে বিলয় হওয়া অভীৰ উৰ্বচড়।
বিদ্যায় বাত্ত্বিক হওয়া বটে স্ববিভিড এই লাডি বাকা বিপায়ীত যেই কৰে,
সময়ে অবলা সেই প্রিভিডাপে ছবে।

## विख देवज्या।

্রিকের জাপারে, আসা কি করিবে, শুনে এও সাথে: উদ্দেশ্য তার

পরে-কর ক্রয়, যত্মনে লয়, ভ্রমেতে কেবল, ভ্রমনা আরে।

লাছে যে কিঞ্ছিৎ, পুর্বের সঞ্জিত, পরন্থ, ধন, ভোমার কাছে।

কুছকী বাজার, দেখিতে ভোগার, সেই ধন টুকিং ফুরায় পাছে!

বিপণী বঞ্চক, ক্লেডা প্রবঞ্চক, ভঞ্চকডা জব্যে, বিধিকা শোভা

ক্ষিবা শোভাকর, দৃশ্য মনোহর, ছেরে ভূলে, জ্ঞান মান্য লেভি!। স্থা জন তার, সূপথ দেখায়ে, গওগোলে নিযে ফেলে ক্রেতায়ন

কিশকভিশকে, জ্বীলম্ভি সংস্ক, তালের কুরুকে, জভারে ব্যায়।

কতএন শুন, বলি পুর পুন, দিরগ (হথানে. সাঞ্সমাজা।

ভাষাদের কাছে, বা বিজ্ঞের আছে, ক্রয় কৰে লগ সাধ ক্ষাভা।

हिका, मिन, इक्स, फांस, धर्मा, दश्रम, साथुशरण उनाह, स् लग्न मूल।

করিয়া যত্ত্র, সে স্ব প্রহণ কর, পারে ভব সাগরে কূল।

স্মৃতি ।

7

